

न्यायालय : सहायक कलक्टर (फास्ट-ट्रैक) भादरा, जिला हनुमानगढ़

पीठासीन अधिकारी : श्री राजकुमार कस्वा आरएएस

प्रकरण सं० : 182/2017

अनवान :

1. दीपचन्द उर्फ दलीप सिंह पुत्र रामजीलाल जाति जाट निवासी भरवाना तहसील भादरा जिला हनुमानगढ़।

- वादी

बनाम

1. मोहनी पत्नी रामजीलाल जाति जाट निवासी भरवाना तहसील भादरा जिला हनुमानगढ़ राज०

- असल प्रतिवादी

2. नत्थुराम पुत्र रामजीलाल जाति जाट निवासी भरवाना तहसील भादरा जिला हनुमानगढ़ राज०
3. राजेराम पुत्र रामजीलाल जाति जाट निवासी भरवाना तहसील भादरा जिला हनुमानगढ़ राज०

- प्रतिवादीगण

4. गिरदावरी पुत्री रामजीलाल जाति जाट निवासी भरवाना तहसील भादरा जिला हनुमानगढ़ राज०
5. बिमला पुत्री रामजीलाल जाति जाट निवासी भरवाना तहसील भादरा जिला हनुमानगढ़ राज०
6. राजस्थान सरकार जरिये तहसीलदार राजस्व भादरा।
7. राजस्थान सरकार जरिये तहसीलदार राजस्व नोहर।

- तरतीबी प्रतिवादीगण

दावा बाबत : घोषणात्मक

अन्तर्गत धारा 88 राज० काश्त० अधिनियम 1955

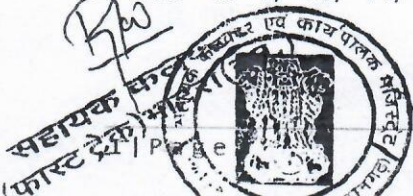
उपस्थिति : वकील श्री योगेश शर्मा : वादी

वकील श्री राममूर्ति ताखर : प्रतिवादी सं० 1 ता 5

निर्णय

दिनांक : 30.7.18

संक्षेप में वाद के तथ्य इस प्रकार है कि ग्राम नुवां के खाता सं० 33/28 के खसरा सं० 180 की 2.9340 है० खसरा सं० 224 की 13.9490 है० खसरा सं० 358 की 5.7410 है० कुल खसरा 3 कुल क्षेत्रफल 22.6240 है० में बाराणी कृषि भूमि वादी व प्रतिवादी सं० 2 व 3 व मृतक महेन्द्र का 553 हिस्सा में बहिस्सा बराबर व चक 3 एमएसआर के खाता सं० 72/79 के मु० नं० 107 के किला नं० 1, 2, 3, 8, 9, 10, 11, 12, 13 कुल किता 9 की 2.2770 है० मु० नं० 108 के किला नं० 5, 6, 15 कुल किता 3 की 0.759 है० कुल किता 12 कुल क्षेत्रफल 3.0360 है० में वादी व प्रतिवादी सं० 2 व 3 का मृतक महेन्द्र के साथ बहिस्सा बराबर व इसी प्रकार चक 2 जीजीएम के खाता सं० 47/45 के मु० नं० 18 के किला नं० 1, 10, 11, 20, 21 कुल किता 5 कि 1.2400 है० मु० नं० 105/9 की किला नं०



हस्तगत प्रकरण में महेन्द्र की लावलद मृत्यु होने के पश्चात् उसके प्रथम श्रेणी ताराधिकारी उसकी माता है। हिन्दू महिला को अपनी सम्पति का पूर्णतया मालिकाना अधिकार होता है। उसकी सम्पति को उसके पति द्वारा निष्पादित नहीं किया जा सकता है। पक्षकारान ने जो पारिवारिक सैटलमेन्ट व राजीनामा प्रस्तुत किया है, उसमें वादभूमि वादीगण को बहिस्सा बराबर दर्ज करवाने की सहमति प्रदान की है जबकि वाद मात्र वादी द्वारा प्रस्तुत किया गया है। इसलिए अपूर्ण राजीनामा व पारिवारिक सैटलमेन्ट के आधार पर किसी प्रकार के खातेदारी अधिकारों की घोषणा नहीं की जा सकती है। इस प्रकार वादी अपना वाद साबित करने में असफल रहा है।

अतः उपर्युक्त विवेचन के आधार पर वाद वादी साबित न होने के कारण खारिज किया जाता है।

निर्णय आज दिनांक 30.7.18 को मेरे द्वारा लिखवाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।



(राजकुमार कस्वा)
सहायक कलेक्टर (फास्ट-ट्रैक) R.A.S. (53-)
सहायक कलेक्टर (फास्ट-ट्रैक)
भादरा, जिला हनुमानगढ़